lanHkZ xzUFk lwph

- Baper, O.E. (1929), "The Incresing Importance of Physical conditions in determining the utilization of land for Agricultural and forest production in the U.S. Annual Association Geogras", Vol. 11P.
- Stamp, L.D. (1938), "Land Utilization" Maps of India 11, Madora Geop. Asso. 13.
- Ganguli, B.N. and Nikhat, H. (1951), "Improved Land use in the Damodar Valley", Calcutta.
- Singh, U. (1955), "A Sample Study in Land Utilization near Sarnath" (Banaras).
- Singh, V.R. (1958), "Land Utilization in the Sonpur (Mirapur)", National Geographical Journal of India.
- Arunachalam, B. (1959), "Land use Land Classification and Possibilities of the Re-planning of Land use in Vanamadevi Vi, Bombay Geographic/Magazine.
- Shafi, M. (1960), "Land Utilization in Eastern", Uttar Pradesh University, Aligarh.
- Chauhan, D.S. (1966), "Studies in Utilization of Agricultural Land", Agra.
- Amani, K.Z. (1966), "Land Utilization in Aligarh District", Geografia.
- Singh, S. (1967), "Land Utilization in Dunai Village Distric Aligarh".
- Ayyir, N.P. and Srivastava, S. (1968), "Land use and Nutrition in Bewas Basin", Grographer.
- Dayal, M. (1968), "The Changing Patterns of India Internation Trades" Economic Geography , Vol. 44, pp 240-269, Rawat Publications, Jaipur & Delhi.
- Duggal, S.L. "The Historical Factor Governing the Land use Patter in Moradabad District".
- Singh Balbir (2000), "Rural Employment and Technological Change in Agriculture Sector – A Case Study of Haryana State.
- Bhattacharya, B. (2000), "Urban Development in India" Published by Mahesh Jain for Shree Publishing Hose 4056, Ajmer Gate, Delhi.
- Singh, R. B., Jefferson Fox, and Yukio Himiyama, eds (2001). Land Use and Cover Change. Enfield, NH: Science Publishers.
- Kumar, P. & Sharma, Kamal (2008), "Agriculture Geography", HIndi Granth Academy, Bhopal (M.P.).

- Kumar, Ravindra (2009): Water Convervation and Management in Arid and semi-arid region of Rajasthan: An effective solution to water crisis, Journal of water and Land use management, vol. 9 No. 1, 2009 page 139-150
- सक्सैना, शर्मा, के.सी. एम.सी. (1976), ''शस्य विज्ञान के आधुनिक सिद्धान्त'' अनुवाद एवं प्रकाशन निदेशालय, गोविन्द बल्लभ पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तर प्रदेश
- गुप्ता, एन.एल. (1979) राजस्थान में कृषि विकास राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
- सिंह, ब्रहानन्द (1984), ''उत्तर प्रदेश की देवरिया तहसील में कृषि भूमि उपयोग'' अप्रकाशित डी. फिल. शोध प्रबन्ध इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश
- सिंह, छिद्दा (1984), ''रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती एवं शस्य विज्ञान के सिद्धान्त'' भारती, भारत प्रकाशन मेरठ।
- गुर्जर, आर.के. सम्पादित (1992), पर्यावरण प्रबन्धन एवं विकास पोईन्टर पब्लिशर्स, जयपुर
- जलग्रहण विकास बुलेटिन (1994): जलग्रहण विकास एवं मृदा संरक्षण निदेशालय, जयपुर
- कमलेश, संताराम (1996), ''बिलासपुर संभाग में कृषि विकास का स्तर'', प्रकाशित शोध प्रबन्ध। वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
- कुमार, प्रमीला और शर्मा कमल (2000), ''कृषि भूगोल'' मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
- गुर्जर, आर.के, जाट, बी.सी. (2001), पर्यावरण भूगोल पंचशील प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर
- प्रसाद, राजेन्द्र (2002), ''परिवर्तित भूमि उपयोग और भूमि अवनयन की समस्याऐं– साहिबी नदी क्षेत्र'', अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
- श्री चन्द, (2005), ''भरतपुर जिले में सिंचित कृषि विस्तार का एक कृषि भौगोलिक अध्ययन।'' अप्रकाशित शोध प्रबन्ध राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
- सोलंकी, महेन्द्र सिंह (2006), ''उदयपुर जिले में कृषि भूमि उपयोग एवं सिंचाई प्रारूप पर परिवर्तन का प्रभाव'' अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर
- हुसैन, माजिद (2009), ''कृषि भूगोल'' रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर
- हुसैन, माजिद एवं सिंह, रमेश (2010), ''भारत का भूगोल'' टाटा मैकग्रा हिल एजुकेशन प्रा. लि., नई दिल्ली
- तिवारी, आर.सी. एवं सिंह, वी.एन. (2010), ''कृषि भूगोल'', प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद